

अध्याय 20

भगदड़

प्रश्न-अभ्यास

कौन-कौन आया?

प्रश्न 1.

बुढ़ियों को परेशान करने कौन-कौन आया? चित्र बनाओ।

उत्तर :

मक्खी, बिल्ली, कुत्ता और बकरा।

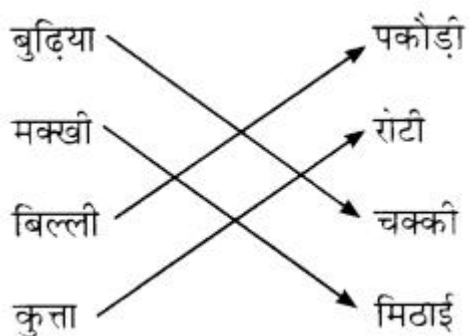
उत्तर :

विद्यार्थी इनके चित्र स्वयं बनाएँ।

प्रश्न 2.

कौन किसके साथ? मिलाओ।

उत्तर :



प्रश्न 3.

कविता में किसके बाद कौन आया?

उत्तर :

- सबसे पहले → मक्खी
- उसके बाद → बिल्ली
- उसके बाद → कुत्ता
- अंत में → बकरा

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: इस कविता में कैसे बुढ़िया को जीव-जंतुओं से परेशानी होती है, और उसने इसका सामना कैसे किया?

उत्तर: इस कविता में बुढ़िया को जीव-जंतुओं से परेशानी होती है। मक्खी, बिल्ली, कुत्ता, बकरा, और घड़ा मिलकर उसे तंग करते हैं। बुढ़िया ने अपनी स्थिति को सुधारने के लिए विभिन्न प्रयास किए हैं, लेकिन अंत में उसने सबसे हार मानी और बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।

प्रश्न: बुढ़िया के परेशान होने का कारण क्या था, और उसने इससे कैसे बचाव किया?

उत्तर: बुढ़िया को उसके चक्की में काम करने के दौरान जीव-जंतुओं से परेशानी हो रही थी। उसने मक्खी, बिल्ली, कुत्ता, बकरा, और घड़ा से बचाव के लिए अलग-अलग तरीकों से कोशिशें कीं, लेकिन अंत में उसे सबसे हार माननी पड़ी और उसने बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।

प्रश्न: इस कविता में कवि ने किस तरह से जीव-जंतुओं की हाकिकत को विवेचन किया है?

उत्तर: कवि ने इस कविता में जीव-जंतुओं की हाकिकत को एक कौतूहलपूर्ण और हंसीमय दृष्टिकोण से विवेचन किया है। उन्होंने बुढ़िया के चक्की के आस-पास घटित होने वाले घटनाओं को किसी हंसीमय दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया है।

प्रश्न: इस कविता में कौन-कौन से प्राणियों का उल्लेख है, और उन्हें किस प्रकार से चित्रित किया गया है?

उत्तर: इस कविता में मक्खी, बिल्ली, कुत्ता, बकरा, और घड़ा जैसे विभिन्न प्राणियों का उल्लेख है। इन्हें कवि ने एक हंसीमय और रोचक तरीके से चित्रित किया है, जो कहानी को और भी रोचक बनाता है।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: बुढ़िया को जीव-जंतुओं से कैसी परेशानी हुई थी, और उसने इस स्थिति का सामना कैसे किया?

उत्तर: बुढ़िया को जीव-जंतुओं से परेशानी हो रही थी जो उसकी चक्की के आस-पास घटित हो रही थी। उसे मक्खी, बिल्ली, कुत्ता, बकरा, और घड़ा से परेशानी हो रही थी। उसने मक्खी को भगाने के लिए बाँस उठाया, बिल्ली को देखते ही उसने पकौड़े खाने का दौरा किया, कुत्ता रोटी लेकर भाग गया, बकरा उसके बाहर घुस गया, और घड़ा उसके चक्की में गिर गया। उसने अनेक प्रयासों के बावजूद अंत में हार मानी और बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।

प्रश्न: इस कविता में कवि ने कैसे जीव-जंतुओं की नकलची और हास्यास्पद प्रतिभा का उपयोग किया है?

उत्तर: कवि ने इस कविता में जीव-जंतुओं को नकलची और हास्यास्पद तरीके से चित्रित किया है। मक्खी, बिल्ली, कुत्ता, बकरा, और घड़ा को उन्होंने विभिन्न प्रकारों में बुढ़िया के सामने प्रस्तुत किया है, जिससे पाठकों को हंसी आती है। यह प्रतिभा और उम्दा रचनात्मकता चित्रित करने में सहायक होती है।

प्रश्न: बुढ़िया ने किस प्रकार के प्रयास किए जीव-जंतुओं से बचने के लिए?

उत्तर: बुढ़िया ने कई प्रयासों के माध्यम से जीव-जंतुओं से बचने का प्रयास किया। उसने मक्खी को भगाने के लिए बाँस उठाया, बिल्ली को देखते ही पकौड़े खाने का दौरा किया, कुत्ता रोटी लेकर भाग गया, बकरा उसके बाहर घुस गया, और घड़ा उसके चक्की में गिर गया। लेकिन अंत में उसने हार मानी और बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता 'भगदड़' के कवि पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी हैं। इस कविता में उन्होंने घर के जीव-जंतुओं से परेशान साठ वर्ष की एक बुढ़िया का वर्णन किया है। कवि कहता है कि बुढ़िया चक्की चला रही थी, तभी दोने में रखी मिठाई पर मक्खी आकर बैठ गई। बुढ़िया जैसे ही बाँस उठाकर मक्खी को भगाने के लिए दौड़ी, बिल्ली पकौड़े खाने लगी। बुढ़िया घर के अंदर बिल्ली को भगाने के लिए झपटी, तभी कुत्ता रोटी लेकर भाग गया। तब बुढ़िया बाहर निकली। उसके बाहर निकलते ही एक बकरा घर के अंदर घुस गया। बुढ़िया जैसे ही बाहर निकली, मटका गिर गया। इससे बकरा भाग खड़ा हुआ। तब बुढ़िया थककर बैठ गई तथा बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।

शब्दार्थ: चक्की – आटा पीसने या दाल दलने वाला पत्थर का एक यंत्र।
दोना-पत्तों से बना कटोरी के आकार का बरतन।।

प्रसंग: प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता 'भगदड़' से ली गई हैं। इस कविता के रचयिता पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी हैं। इसमें कवि ने जीव-जंतुओं की शैतानी से परेशान एक बुढ़िया के बारे में बताया है।

व्याख्या: कवि कहता है कि साठ वर्ष की एक बुढ़िया चक्की चला रही थी। तभी दोने में रखी मिठाई पर एक मक्खी आकर बैठ गई। बुढ़िया बाँस उठाकर मक्खी को भगाने के लिए दौड़ी। जैसे ही बुढ़िया मक्खी को भगाने के लिए दौड़ी, एक बिल्ली पकौड़ी खाने लगी।

शब्दार्थ: मटका-मिट्टी का बड़ा घड़ा, जिसका मुख चौड़ा होता है।

प्रसंग: पूर्ववत।

व्याख्या: उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहता है कि बुढ़िया जैसे ही घर के अंदर गई, कुत्ता रोटी लेकर भाग खड़ा हुआ। यह देख बुढ़िया बाहर निकली, तो बकरा तुरंत ही घर के अंदर घुस गया। बुढ़िया बकरे को भगाने के लिए चली तो वह मटके से टकरा गई जिससे मटका गिर गया। मटका गिरते ही बकरा